सर्व धर्म संसद
Sarva Dharma Sansad
7, Jantar Mantar Road, New Delhi-110001 (INDIA), Ph.: 011-23363221, 23367943, Fax : 23367946
Website : sarvadharmasansad.com
E-mail : sarvadharmasansad@gmail.com, contact@sarvadharmasansad.com

18th July, 2014

PRESS RELEASE

We, the members of Sarva Dharma Sansad strongly condemn the abusive language used by Shankaracharya Swami Swarupanand Saraswati against socio-spiritual activist Swami Agnivesh. He branded him as a terrorist. This kind of behavior is completely presumptuous and unasked for from a person of his stature of being a Jagadguru Shankaracharya. This reaction came as a response to logical queries posed by Swami Agnivesh against the practice of blind faith and idol worship. If he has proof and logical basis to substantiate his claims, he should like a responsible citizen, follow the due course of law and immediately lodge a formal complaint at a police station. Otherwise, he should render an unconditional public apology via media at once. Failing to do this should be construed as an act of defamation and slandering for selfish personal gains.

We urge the religious leaders of all the different faiths to imbibe by the true spirits of debate and scientific enquiry which is embedded in the core perennial philosophy of Sanatan Dharma (Vichaar Manthan) and following a parliamentary code of conduct during such debates avoiding any acts of personal slandering.

Goswami Susheel Ji maharaj- Chairperson, Bhrigu Foundation

Yuvacharya Lokesh Muni Ji- Chairperson, Ahimsa Vishva Bharti

Swami Arivesh- President, Sarvedaishik Arya Pratinidhi Sabha

Paramjeet Singh Chandhok- Chairperson, Gurudwara Bangla Saheed

Doctor Ali Merchant- Bahai Dharma

(Manu Singh)
Convener, Sarva Dharma Sansad
011-23367943
Mob No- 09911089216
7, Jantar MantarRoad, New Delhi- 110001

सर्व धर्म संसद
Sarva Dharma Sansad

7, Jantar Mantar Road, New Delhi-110001 (INDIA), Ph.: 011-23363221, 23367943, Fax : 23367946
Website : sarvadharmasansad.com
E-mail : sarvadharmasansad@gmail.com, contact@sarvadharmasansad.com

18 जुलाई, 2014

प्रेस विज्ञप्ति

हम सब सर्व धर्म संसद के धर्म गुरू शंकराचार्य स्वामी स्वरुपानंद सरस्वती द्वारा आध्यात्मिक समाज सेवी स्वामी अग्निवेश जी को आतंकवादी कहे जाने की कडे शब्दों में भर्त्सना एवं निंदा करते हैं। शंकराचार्य का यह व्यवहार निन्दनीय है। अगर जगतगुरु शंकराचार्य स्वामी स्वरुपानंद जी के पास इस विषय में कोई भी सबूत हैं तो उन्हे स्वामी अग्निवेश के खिलाफ तुरन्त ही किसी भी पुलिस थाने में शिकायत दर्ज करानी चाहिए अन्यथा उन्हें शीघ्रातिशीघ्र मीडिया के माध्यम से सार्वजनिक तौर पर स्वामी अग्निवेश जी से माफी मांगनी चाहिये। अगर शंकराचार्य ऐसा नहीं करते तो इस पूरी घटना को ब्लैकमेलिंग के संदर्भ में देखा जाएगा, खासकर तब जब वह अंधविश्वास को लेकर स्वामी अग्निवेशजी द्वारा उठाये गये प्रश्नों का उत्तर देने में असमर्थ रहे थे।

सभी धर्म गुरुओं से आग्रह करते हैं कि वे सदियों से चली आ रही विचार मंथन की अमृतधारा का सम्मान करें एवं किसी की वाद विवाद में शालीनता का परिचय दें एवं किसी भी प्रकार की असभ्यता, कटुता एवं अश्लीलता को न आने दे। आस्था की आड़ में वैज्ञानिक चिंतन एवं तर्क संगत बहस का गला न घोटा जाये।

गोस्वामी सुशील महाराज, अध्यक्ष–भृगु फाऊंडेशन

युवाचार्य लोकेश मुनि, अध्यक्ष–अहिंसा विश्व भारती

परमजीत सिंह चंढ़ोक, अध्यक्ष–गुरूद्वारा बंगला साहिब

स्वामी आर्यवेश, प्रधान–सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा

डॉ० अली मर्चेंट, बहाई धर्म

(मनु सिंह)
संयोजक–सर्व धर्म संसद
011.23367954
मो. 9911089216
7 जन्तर मन्तर रोड, नई दिल्ली–110001